

जोश तेजोऽसि तेजो मयि वेहि

Ralli International School

Academic session 2025-26

QUARTER-3

THREADS OF TOGETHERNESS



Editorial

Dear Readers,

Every festival tells a story – of joy, faith, and togetherness. This quarter, we celebrate the spirit that unites India's many traditions under one sky.

“Colours of Unity” is more than a theme; it’s a reflection of how our diversity becomes our strength. Whether it’s the light of Diwali, the colours of Holi, the songs of Christmas, or the compassion of Eid –each celebration reminds us that harmony lies in our shared humanity.

In these pages, you’ll find stories of connection, kindness, and creativity – of students who celebrate mindfully and carry forward the values that festivals teach.

May this edition inspire you to find joy not only in celebration, but in caring for one another and for our planet.

Here’s to togetherness, greener celebrations, and the beautiful unity that makes India shine. Happy reading, and happy celebrating!

Editorial Board



Kinjal Paliwal
12A2



Iqra Ghazali
12A2



Aditi Jha
10B



Dhriti Mehta
9B



Prisha Jain
9B



Shreya Gupta
9D





RIDDHI GARG
class:- 9D

Riddhi Garg
4/10/25

DIWALI

word search

Can you find all the words related to Diwali?

u	x	c	k	s	t	e	e	w	s	m	a	p	e	a
p	n	n	l	a	v	i	t	s	e	f	j	r	z	i
d	o	o	c	r	f	r	q	e	l	o	p	a	p	d
n	t	j	a	a	a	s	e	t	p	z	q	y	j	n
k	o	a	m	n	c	a	n	d	l	e	s	e	y	i
d	j	i	g	a	z	s	r	h	h	d	z	r	f	b
t	l	o	t	t	d	p	k	x	s	y	k	s	b	u
y	l	h	f	i	l	w	j	r	l	a	c	h	y	h
i	s	o	s	h	d	a	m	j	o	i	s	y	c	x
w	d	t	f	i	d	a	k	g	y	w	g	l	m	a
l	g	y	d	x	n	i	r	z	p	d	e	h	p	r
l	a	m	p	s	p	k	w	t	k	i	r	r	t	j
u	l	j	w	n	v	y	b	a	j	y	y	m	i	s
i	b	g	e	u	o	e	i	f	l	a	g	p	u	f
o	j	w	f	j	u	q	f	w	y	i	u	r	g	f

candles

festival

joy

prayers

Diwali

fireworks

lamps

rangoli

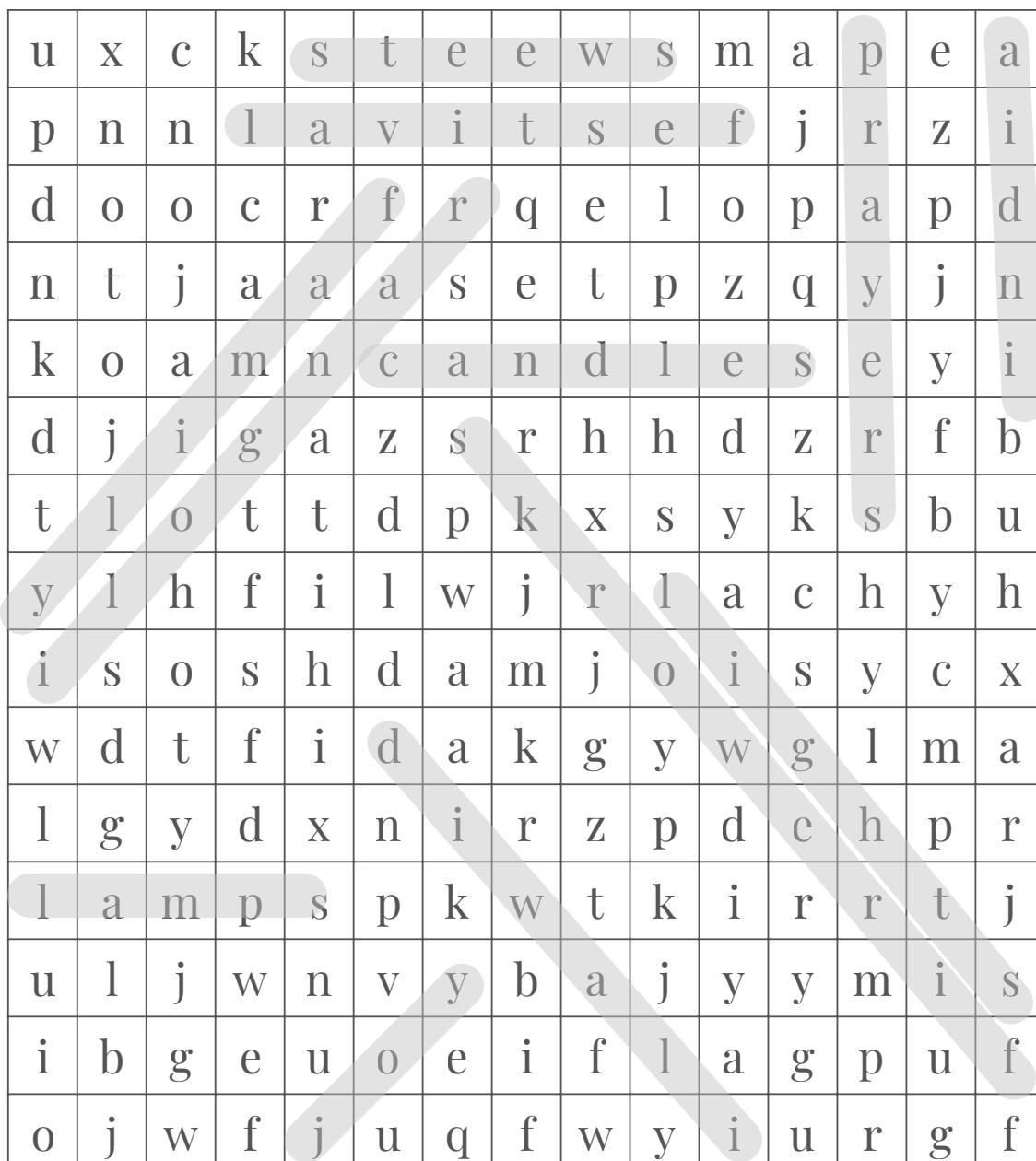
family

India

lights

sweets

ANSWER SHEET



candles

festival

joy

prayers

Diwali

fireworks

lamps

rangoli

family

India

lights

sweets



त्योहारों से मिलने वाली सीख

त्योहार हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये हमारे जीवन में रंग,

उल्लास और एकता लेकर आते हैं। बचपन से ही मैंने अलग-अलग

त्योहार मनाए हैं – दीवाली, होली, ईद, क्रिसमस और कई अन्य। लेकिन समय के साथ मुझे समझ में आया कि त्योहार केवल खुशियाँ मनाने का अवसर नहीं होते, बल्कि ये हमें जीवन के कई गहरे पाठ भी सिखाते हैं।

सबसे पहले, त्योहारों ने मुझे एकता और भाईचारे का महत्व सिखाया है।

जब हम किसी त्योहार को मनाते हैं, तो सब लोग मिलकर खुशियाँ बाँटते हैं।

उस समय धर्म, जाति या वर्ग का कोई भेद नहीं रहता। सबके चेहरे

पर मुस्कान होती है, और यही सच्ची मानवता की पहचान है।

दूसरा, त्योहारों ने मुझे आभार और बाँटने की भावना सिखाई है। जब

हम मिठाइयाँ बाँटते हैं, जरूरतमंदों की मदद करते हैं या अपने प्रियजनों

को उपहार देते हैं, तो हमें एहसास होता है कि खुशी बाँटने से बढ़ती है।

यह हमें सिखाता है कि दूसरों की खुशी में ही हमारी सच्ची खुशी छिपी

होती है।

तीसरा, त्योहारों ने मुझे हमारी परंपराओं और संस्कृति की गहराई को

समझने में मदद की है। हर त्योहार के पीछे एक कहानी, एक संदेश और

एक परंपरा छिपी होती है, जो हमें हमारे इतिहास और मूल्यों से जोड़ती

है।

अंत में, त्योहार हमें यह भी सिखाते हैं कि जीवन सिर्फ काम करने के

लिए नहीं, बल्कि जीने और खुशियाँ मनाने के लिए भी है। ये हमें अपने

परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने, रिश्तों को मजबूत करने और

यादें बनाने का अवसर देते हैं।

इस प्रकार, त्योहारों ने मुझे सिखाया है कि सच्ची खुशी वही है जो हम

सबके साथ मिलकर बाँटते हैं।

प्रणय त्रिपाठी

VIII - B



MY FESTIVAL STORY

EVERY YEAR, MY FAMILY CELEBRATES DIWALI WITH GREAT JOY. A FEW DAYS BEFORE THE FESTIVAL, WE START CLEANING OUR HOUSE. MY PARENTS SAY THAT A CLEAN HOME BRINGS GOOD LUCK AND HAPPINESS. WE DECORATE THE HOUSE WITH LIGHTS, FLOWERS, AND COLOURFUL RANGOLI DESIGNS. MY MOTHER MAKES MANY SWEETS LIKE LADDOO AND BARFI, AND THE SMELL FILLS THE WHOLE HOUSE.

ON DIWALI EVENING, WE WEAR NEW CLOTHES AND DO A SMALL PRAYER TOGETHER. AFTER THAT, WE LIGHT DIYAS AND CANDLES ALL AROUND THE HOUSE. THE SOFT LIGHT MAKES EVERYTHING LOOK SO BEAUTIFUL. MY FRIENDS AND I BURST SMALL CRACKERS AND SHARE SWEETS. WE ALSO GIVE SOME FOOD AND SWEETS TO PEOPLE WHO NEED THEM.

DIWALI IS NOT JUST ABOUT LIGHTS AND SWEETS. IT IS ABOUT LOVE, SHARING, AND BEING TOGETHER. IT TEACHES ME THAT WHEN WE SPREAD LIGHT AND HAPPINESS, OUR WORLD BECOMES A BETTER PLACE.

-Nivedh Prasad 9-E







How Festivals Bring Kindness and Togetherness

Festivals are a beautiful time when people come together and forget their worries. They help us show kindness and care for others. During festivals, we share food, sweets, and gifts with our neighbors and friends. We also try to help poor people by giving them clothes or food.

When we do these things, we feel happy from the inside. Festivals remind us that true joy comes from giving and sharing, not just receiving. They also help us forgive others and make new friends.

When people of different religions and backgrounds celebrate together, it shows that love is stronger than anything that divides us. Festivals bring families, friends, and even strangers close.

They teach us to be thankful, kind, and united – and that is what makes them so special.

Nivedh Prasad



9 E



त्योहार: दयालुता व एकता का सेतु

त्योहार हमारे जीवन के वे खास अवसर हैं जो खुशियाँ, प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। ये हमें सिखाते हैं कि हमें एक-दूसरे के प्रति दयालु, सहानुभूतिपूर्ण और आभारी रहना चाहिए। चाहे वह दिवाली हो, क्रिसमस हो, ईद या होली हो - हर त्योहार शांति, प्रेम और भाईचारे की भावना फैलाता है। त्योहारों के समय लोग अपने मतभेद भूलकर मिल-जुलकर उत्सव मनाते हैं। इससे परिवार, मित्रों और पड़ोसियों के बीच संबंध मजबूत होते हैं। त्योहार हमें दान और सेवा की भावना भी सिखाते हैं। लोग गरीबों और ज़रूरतमंदों को भोजन, मिठाइयाँ, कपड़े या उपहार बांटते हैं। कई लोग दान संस्थाओं में योगदान देते हैं। ऐसे काम समाज में खुशियाँ फैलाते हैं और हमें सच्ची संतुष्टि देते हैं। जब हम दूसरों के साथ बांटते हैं, तो हम सच्ची खुशी और इंसानियत का अनुभव करते हैं।

स्कूलों और समाज में भी त्योहार एकता लाते हैं। बच्चे और शिक्षक मिलकर सजावट करते हैं, गीत और नृत्य प्रस्तुत करते हैं, और विभिन्न संस्कृतियों के बारे में सीखते हैं। पड़ोसी एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएँ देते हैं और साथ में त्योहार मनाते हैं। इससे सभी धर्मों और परंपराओं के प्रति सम्मान और अपनापन बढ़ता है। आज की व्यस्त जिंदगी में त्योहार हमें अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने की याद दिलाते हैं। वे हमारे दिलों में प्रेम और गर्मजोशी भर देते हैं। अंत में, त्योहार केवल खुशी मनाने के दिन नहीं हैं, बल्कि वे हमें दया, प्रेम और एकता का सच्चा अर्थ सिखाते हैं। यही त्योहारों की सबसे सुंदर बात है।

पलक शर्मा

VIII B



त्योहारः खुशी, प्रेम और अपनापन का प्रतीक

परिवार में मनाए जाने वाले उत्सव और त्योहार हमारी ज़िंदगी में खुशी, प्यार और अपनापन भर देते हैं। जब कोई त्योहार आता है, तो पूरा घर जैसे एक साथ धड़कने लगता है। सभी लोग मिलकर सफाई करते हैं, घर सजाते हैं, स्वादिष्ट खाना बनाते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं। इन सब कामों से परिवार के बीच की दूरी कम होती है और रिश्तों में गर्महिट बढ़ती है। त्योहार सिर्फ रस्मों का हिस्सा नहीं होते, बल्कि यह हमें दया, करुणा और साथ रहने की सीख भी देते हैं। जब हम दूसरों के साथ मिठाई बाँटते हैं, बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं, या किसी ज़रूरतमंद की मदद करते हैं, तो हम इंसानियत की असली खूबसूरती महसूस करते हैं।

त्योहार हमें सिखाते हैं कि हम चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना ज़रूरी है। जब पूरा परिवार एक साथ बैठकर हँसता-बोलता है, फोटो खिंचवाता है या पूजा-पाठ करता है, तो ऐसे पल यादों में हमेशा के लिए बस जाते हैं। इन उत्सवों से हमें समझ आता है कि खुशी का असली मतलब सिर्फ उपहारों या नई चीज़ों में नहीं, बल्कि साथ बिताए हुए समय, प्रेम और एक-दूसरे का सहारा बनने में है। त्योहार समाज में भी मेल-जोल, भाईचारा और एकता को मजबूत बनाते हैं। यही कारण है कि हमारे परिवार और संस्कृति में उत्सवों का इतना खास महत्व है।

आस्था तिवारी
VIII B





INDIA : A LAND OF FESTIVALS

Festivals throughout the year....

JANUARY	FEBRUARY	MARCH
APRIL	MAY	JUNE
JULY	AUGUST	SEPTEMBER
OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER



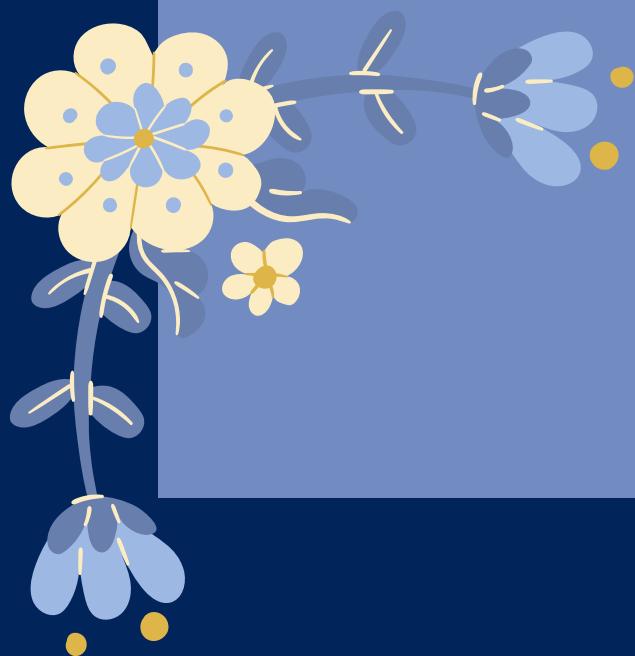


Threads of Togetherness

In the quiet weave of dawn's first light,
A single thread begins its flight
Neither gold nor silk, but hearts entwined.
Where souls in silence are aligned.
We're stitched by moments small and bright,
by whispered hopes in soft moonlight.
By hands that reach when storms arise,
by shared tomorrows in our eyes.
Each thread begins so thin, so slight
yet grows when hearts are held just right.
A single strand may bend or sway,
but woven close, it finds its way
a thread of togetherness finds its own way to shine
like its feelings on mind
Strength is not in standing all alone,
But in every thread that leads us home

- By Shree Mittal

XI A2



भाई दूज की कहानी

बहुत समय पहले सूर्यदेव की पत्नी छाया के दो बच्चे थे - यमराज (जो मृत्यु के देवता हैं) और यमुना (एक पवित्र नदी)। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत प्यार करती थी। वो बार-बार अपने भाई से मिलने का आग्रह करती थी, पर यमराज अपने काम में बहुत व्यस्त रहते थे।

अंत में, एक दिन यमराज यमुना के घर पहुँचे। यमुना अपने भाई को देखकर बहुत खुश हुई। उसने स्नान किया, सुंदर वस्त्र पहने और भाई के स्वागत की पूरी तैयारी की। उसने अपने भाई की आरती उतारी, माथे पर तिलक लगाया, मिठाई खिलाई और स्नेहपूर्वक भोजन कराया।

यमराज उसकी सेवा और स्नेह देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने यमुना से कहा - "बहन! आज से जो भी बहन इस दिन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाएगी, आरती उतारेगी और उसकी दीर्घायि की कामना करेगी, मैं उस भाई की रक्षा करूँगा और उसे लंबी आयु दूँगा।" उस दिन कार्तिक मास की द्वितीया तिथि थी। तभी से यह दिन भाई दूज के नाम से मनाया जाने लगा। इस दिन बहनें अपने भाईयों को घर बुलाकर तिलक करती हैं, मिठाई खिलाती हैं और उनके अच्छे जीवन की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनके सुख की कामना करते हैं।



अनिका मिश्रा

VIII B

Where Light Teaches the Heart to Shine

The whole of India is shining brightly,
Decorating their homes with joy.

Come, let us spread peace far and wide,
and fill the world with festive joy.
For the light of Diwali will always show
that good will prevail and love will shine bright.

A string of lamps, a chorus of joy,
Diwali has arrived, bringing dawn for all.

Colorful rangoli designs adorn the ground,
Every group is filled with joy all around,
Sweet voices echo from home to home,
As if Holi has returned once again.

• New clothes shine bright, hearts are true,
Love and smiles are in everything we do.
Blessings spread far and wide,
Happy Diwali - shine like a star!

Aadhya Jha – VIII A

THREADS OF LIGHT

-SHABD SHARMA 11A2

The courtyard smelled of marigolds and sweets.
Lamps lined the doorway, a shy flame trembling against the winter wind. I watched my mother tie flowers along the railing, one orange thread at a time. Every knot she made felt like a memory, a promise, a quiet prayer. This year, our festival was different.

No loud crackers, no glittering lights; only the warmth of reused diyas, cleaned and filled again. My younger sister had painted them with leftover colors from last year. My father, usually distant and lost in silence, placed the first diya at the gate. It flickered softly, hesitant yet hopeful. As the lights grew, so did something inside me. I realized festivals aren't about the noise, but the togetherness woven through laughter, forgiveness, and shared stories. The sparkle is not in the lights; it's in people learning to care, to rebuild, to belong. Later that night, when the sky filled with quiet stars, my father smiled—not a big smile, just a small one, barely there. But for me, it felt like a thousand diyas glowing inside my heart. We didn't just celebrate a festival that day; we celebrated us.

The broken becoming whole,
The lonely finding home,
And the forgotten turning into flame.



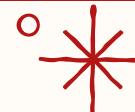
Thread Of Togetherness

Eid is one of the most joyful festivals I celebrate with my family and community. It comes after the holy month of Ramadan, when we learn patience, self-control, and kindness. On the morning of Eid, everyone wears clean clothes and gathers for the special prayer at the mosque. People greet each other warmly with “Eid Mubarak”, forgetting all past misunderstandings. This feeling of forgiveness and unity shows how Eid works as a thread of togetherness.

After the prayers, we visit relatives, friends, and neighbours. Homes are filled with the sweet smell of seviyan and sheer khurma. Elders give Eidi to children, and everyone shares food and happiness. We also help the poor and needy so that they can celebrate Eid with respect and joy. It makes us realize that true happiness increases when it is shared.

Eid teaches us that we are all equal and connected by love and humanity. It brings people closer and spreads peace, brotherhood, and harmony in society. This is why Eid is truly a beautiful thread of togetherness.

-Syed Mohd.Adeeb
XI A2



What My Festival Taught Me-

Festivals in India are more than celebrations; they are lessons that shape who I am. Growing up in a country where Diwali, Eid, and Christmas are celebrated with equal joy, I have learned that festivals connect people beyond religion and tradition. Diwali teaches me to spread light and positivity, Eid reminds me of gratitude, charity, and sharing, and Christmas inspires love, forgiveness, and kindness. Each festival carries a unique message, yet all of them guide us toward the same values.

My role during festivals has always been to contribute to this spirit of togetherness. I help my family prepare decorations, share sweets with neighbours, and greet people from different communities with respect and warmth. I make a conscious effort to include everyone, understanding that celebration becomes meaningful only when no one feels left out. Even small acts like helping elders, welcoming guests, or participating in community celebrations make me feel connected to something larger than myself.

Festivals have also taught me responsibility. I try to celebrate in an eco-friendly way by avoiding waste, reusing decorations, and being mindful of the environment. I believe true celebration is not about noise or extravagance, but about spreading happiness without causing harm to others or nature.

Through these experiences, I have realised that festivals strengthen the bonds of unity in our society. They remind me that despite our differences, we share the same hopes for peace, joy, and harmony. By playing my part with kindness and respect, I become one of the many threads that weave India together into a fabric of



togetherness.



MOHD SAIF KHAN
XI A2



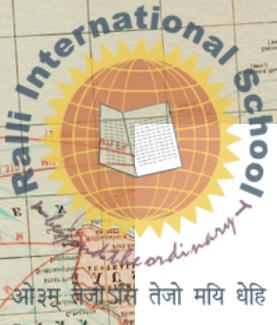
“EVERY ARTIST WAS FIRST AN AMATEUR.”
— RALPH WALDO EMERSON



Life @ RIS

Where memories are made





आशम सेजोंस तेजो मयि थेहि

Interactive counselling sessions!

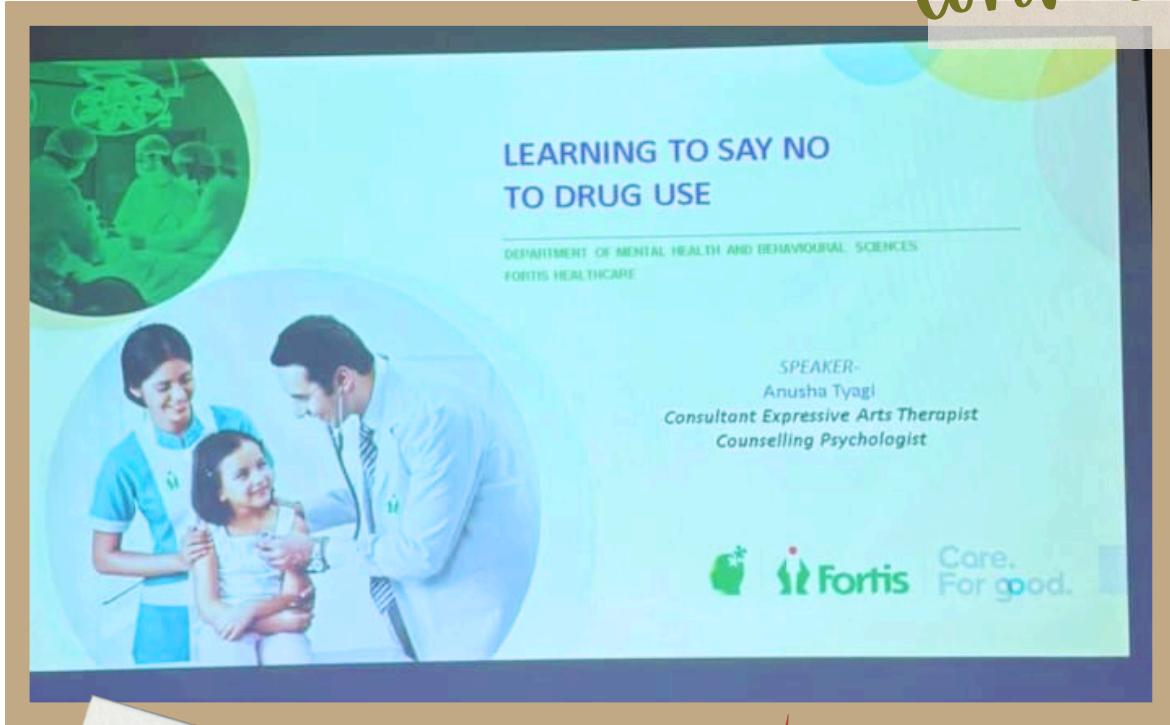




आश्म तेजोंस तेजो मयि थेहि



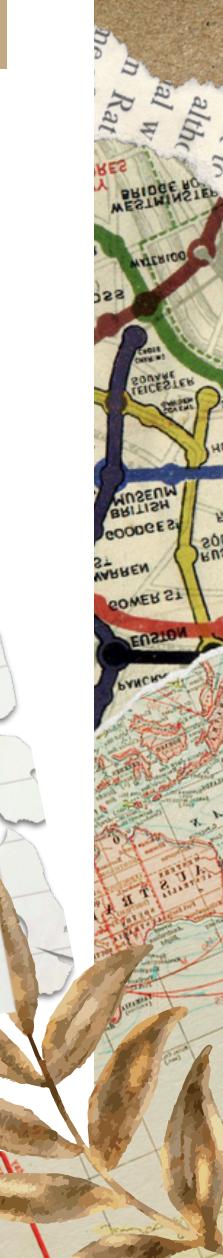
interesting
conversations



to meaningful
results

US
ey
TIVE
Ha
OTIV
ND;
W

AIR





ओम् तेजोऽसि तेजो मयि थेहि

ANNUAL FUNCTION 2025

A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO



ANNUAL FUNCTION 2025

XXX

A JOURNEY FROM METRO TO RETRO



BUILDING HOLISTIC LEARNERS..

X X X



A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

WHEN PASSION TAKES CENTRE STAGE...

XXX



A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

X X X

RHYTHM, GRACE, AND EXPRESSION IN MOTION...

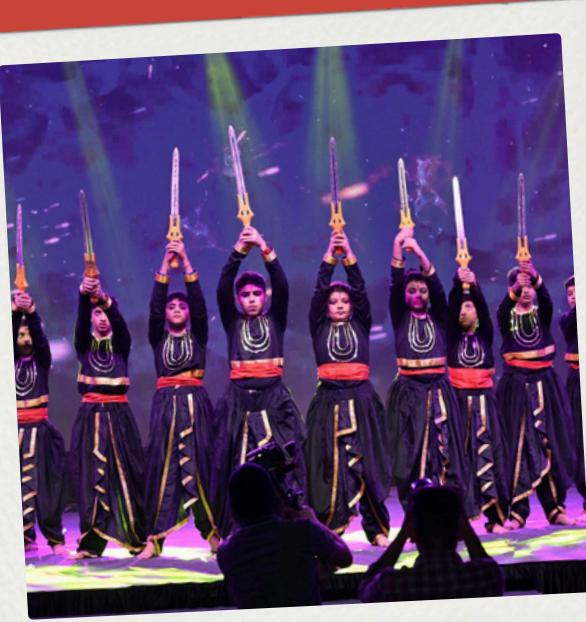


A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

ओम् तेजोऽसि तेजो मयि थेहि

EXPRESSIONS BEYOND WORDS...

XXX



A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

X X X

WHERE GRAVITY FADES AND GRACE TAKES FLIGHT...



A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

APPLAUDED
HARD WORK,
PERSEVERANCE,
AND MERIT...

XXX

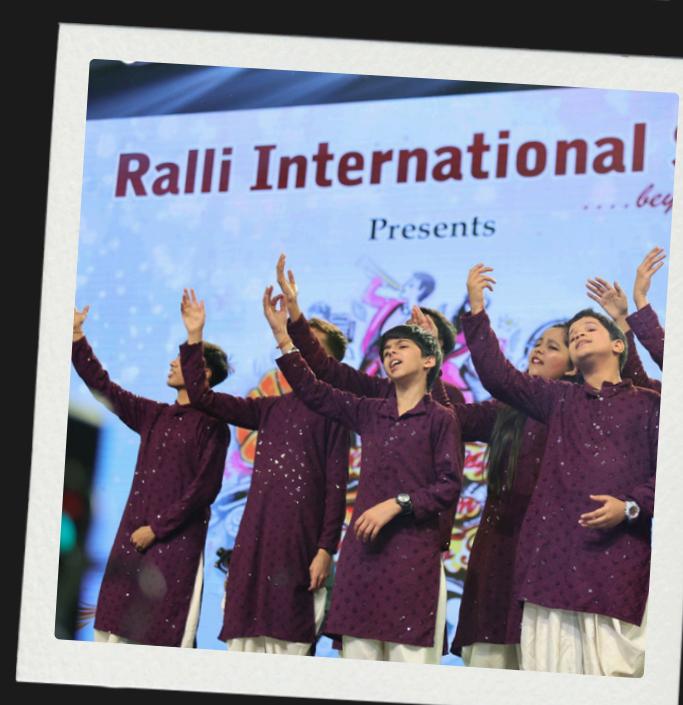
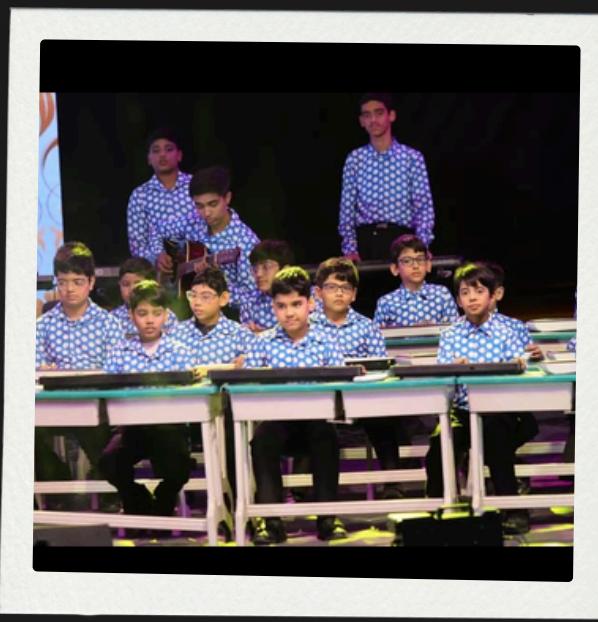


A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

ओम् तेजोऽसि तेजो मयि थेहि

RECOGNISING ACHIEVERS WHO INSPIRE US ALL...

XXX



A JOURNEY
FROM METRO TO
RETRO

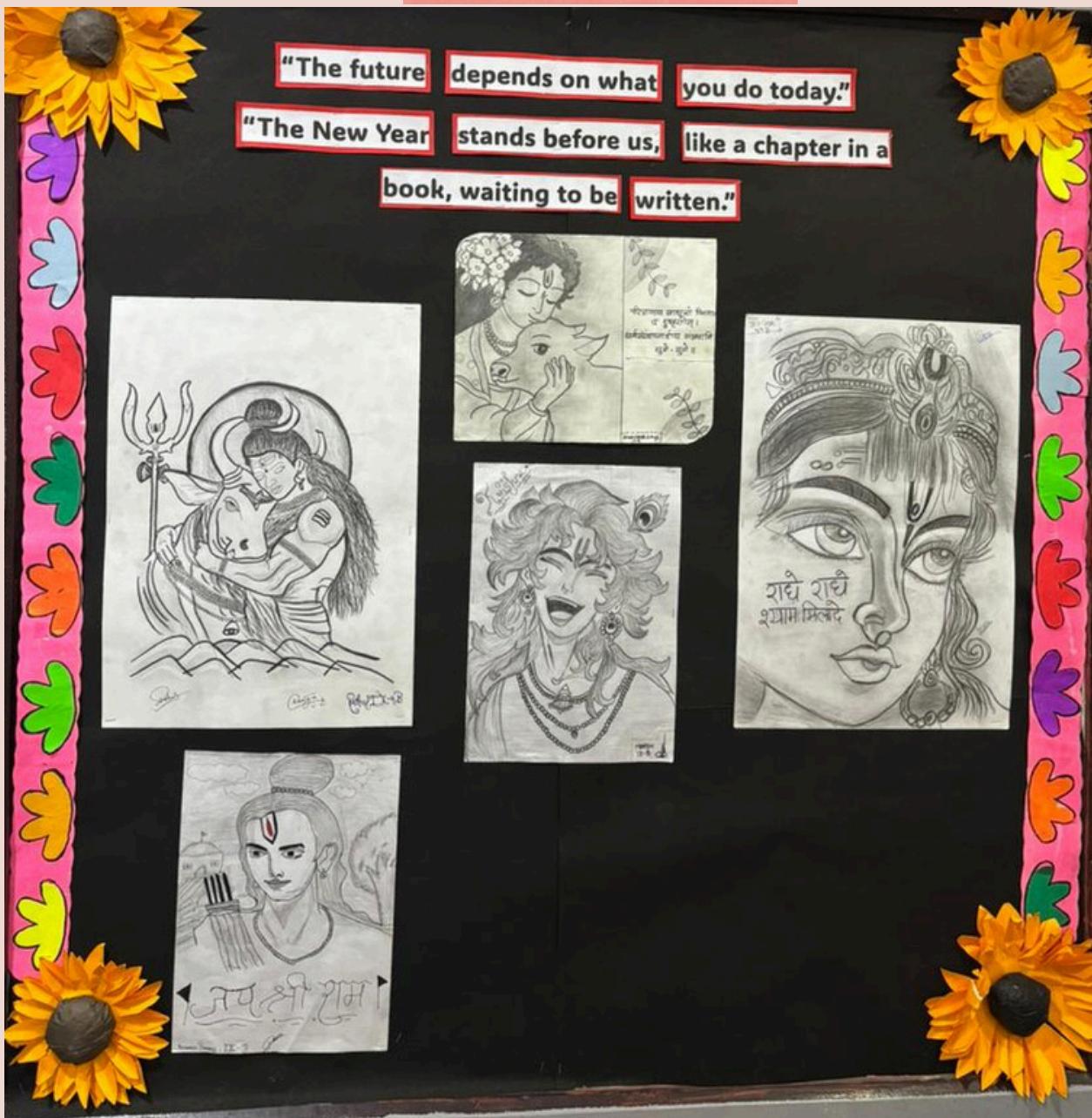


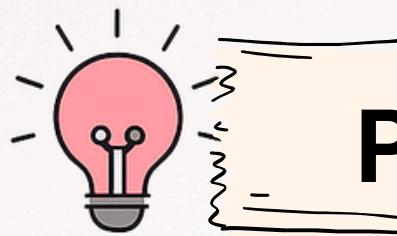
Dhriti Mehta
IX B



Anushka
IX B

Navya Kapoor
IX B





Puzzle Time!



Match the Festival to Its State

Column A – Festival	Column B – State/Region
1 Onam	C Kerala
2 Baisakhi	A Punjab
3 Pongal	B West Bengal
4 Lohri	E Tamil Nadu
5 Durga Puja	D Gujarat
6 Navratri	F Maharashtra

Match the Festival to Its Legend

Festival	Legend / Story
1 Diwali	A Lord Rama returns to Ayodhya after defeating Ravana
2 Dussehra	B The victory of good over evil – Goddess Durga defeats
3 Janmashtami	C Birth of Lord Krishna
4 Holi	D The burning of Holika

Bonus Brain Teaser: I am a festival where lamps glow bright,
Symbol of victory, of love and light. What am I?

Alumna Spotlight :

Prince Pathak

Batch 2024-25

Prince Parthak passed out from RALLI International School (2024-25 batch) and is currently pursuing his undergraduate degree in Engineering at IIIT Ranchi. A lifelong learner driven by curiosity and discipline, his journey has been shaped by consistent effort and strong self-belief. His school years played a pivotal role in building confidence, nurturing leadership, and instilling values of unity and fraternity through academics, debates, MUNs, and cultural activities. From overcoming self-doubt to becoming a confident speaker and collaborative team player, Prince's growth reflects resilience, gratitude, and a belief that true success is achieved through continuous learning and shared effort.

Alumna Spotlight :

Saloni Malhotra

Batch 2024-25

Saloni Malhotra, an alumna of RALLI International School (Session 2024-25), is currently pursuing an Honours degree in Economics at Kamala Nehru College, University of Delhi. Her school journey fostered confidence, adaptability, and academic consistency. Active involvement in debates, MUNs, student leadership, and co-curricular activities strengthened her communication skills and collaborative outlook. The values of unity and holistic growth instilled at RALLI continue to guide her as she actively participates in college societies such as DebSoc and Enactus.

Prince Pathak

2024-25

1. Tell us about yourself—your journey, achievements, and your professional profile.

I see myself as a lifelong learner, driven by curiosity and the desire to grow and create meaningful impact. My journey from school to pursuing engineering at one of India's most prestigious institutes has been shaped by consistency, discipline, and self-belief. Each challenge and project adds to my learning, reinforcing my belief that true growth comes from effort, patience, and trust in one's potential. Step by step, I continue striving to become a better version of myself every day.

2. How has RALLI International School transformed you as an individual, both personally and professionally?

School has been much more than a place of education for me; it is where I truly discovered who I am. It shaped my personality, built my confidence, and taught me to stand strong on my own feet. There were moments of self-doubt, but my teachers believed in me even before I believed in myself. Their constant encouragement, guidance, and faith pushed me to break my limits and step beyond my comfort zone. The values and lessons I gained there became the foundation of my character and continue to guide me every day.

3. How did your experiences at RALLI International School nurture a sense of unity, and how do you practise this value in your workplace today?



School taught me one of life's most important lessons—that nothing meaningful is achieved alone. Whether in debate competitions, Model United Nations, group activities, dramas, or our annual function Udaan, we always worked as one team. That spirit of unity continues to guide me today, as I collaborate respectfully, value diverse perspectives, and believe that trust and teamwork always lead to better outcomes.

4. What does celebration mean to you when you look back at your school life, and how do you celebrate growth and success today?

When I look back at my school life, celebration reminds me of shared smiles, laughter, and the joy of small victories—like winning my first poetry competition, which felt truly special. Even moments of loss became lessons that motivated me to work harder and return stronger. For me, celebration has never been about trophies alone, but about the journey. Today, I celebrate growth quietly by valuing progress, learning from mistakes, and staying grateful for every step forward.

5. In what ways did the spirit of fraternity at school shape your relationships and outlook on life?

The spirit of fraternity at school taught me the true meaning of belonging. It taught me to care not only as a teammate but as a friend—to support others, stand by them in difficult moments, and celebrate their success as my own. These bonds extended beyond classrooms and competitions, shaping the way I build relationships today with honesty, respect, and empathy. School taught me that no one grows alone and that success becomes truly meaningful when it is shared by lifting others up and believing in them.

6. How did the blend of academics, co-curricular activities, and values at Ralli International School help you become a well-rounded individual?

School gave me more than academic knowledge—it gave me a voice, confidence, and purpose. From being hesitant to speak to becoming a confident speaker and leader, my journey was shaped by constant encouragement from my teachers. Through academics, debates, and activities, I discovered my interests and learned to express myself clearly. Today, I carry the confidence to lead, the courage to speak, and the belief to face life's challenges.

Saloni Malhotra

Batch 2024-25

1. Tell us about yourself—your journey, achievements, and your professional profile.

I am currently pursuing an Honours degree in Economics at Kamala Nehru College, University of Delhi. My journey has been dynamic and transformative, particularly during the COVID period, which required adaptability and resilience. Initially reserved, I gradually developed confidence and self-assurance. My achievements reflect academic consistency and personal growth, and I am presently focused on skill development and learning to prepare for future academic and professional opportunities.

2. How has RALLI International School transformed you as an individual, both personally and professionally?

RALLI International School played a significant role in my personal and professional development. Initially reserved, I grew more confident in the school's supportive environment. Participation in debates, the student council, and various co-curricular activities strengthened my communication and leadership skills, experiences that continue to benefit me in my college life today.

3. What does celebration mean to you when you look back at your school life, and how do you celebrate growth and success in your present career?

During my school years, celebration meant participating in events, cherishing small achievements, and creating meaningful memories with peers. These experiences made learning engaging and fulfilling. Today, celebration has evolved into recognising personal growth through active involvement in college societies, embracing new opportunities, and pushing beyond my comfort zone. Success, for me, is now defined by progress, self-improvement, and growing confidence.



4. How did your experiences at RALLI International School nurture a sense of unity, and how do you practise this value in your workplace today?

My experiences at RALLI International School strongly nurtured a sense of unity, particularly through my active involvement in the MUN Council, which I was a part of three times—even once after school concluded. Collaborating with diverse individuals taught me the importance of teamwork, mutual respect, and collective effort. Today, I carry these values forward in college by working closely with peers in societies such as DebSoc and Enactus. Whether in debating or business-focused initiatives, I practise unity by listening to different perspectives, collaborating effectively, and contributing meaningfully as a team member.

5. In what ways did the spirit of fraternity at school shape your relationships, teamwork, and outlook on life?

The spirit of fraternity at school taught me the true value of support, friendship, and belonging. Having a strong and encouraging group of friends during my later school years boosted my confidence and gave me a more positive outlook on life. These experiences shaped the way I build relationships today—emphasising trust, mutual respect, and collaboration, both personally and professionally.

6. How did the blend of academics, activities, and values at RALLI International School help you become a confident individual?

RALLI International School provided me with a well-rounded balance of academics, activities, and values. Academics helped build a strong foundation and discipline in learning, while co-curricular activities played a crucial role in developing my confidence, communication skills, and self-expression. The values instilled by the school encouraged me to explore beyond textbooks, believe in myself, and grow holistically, shaping me into a more confident and capable individual.

What To Read?

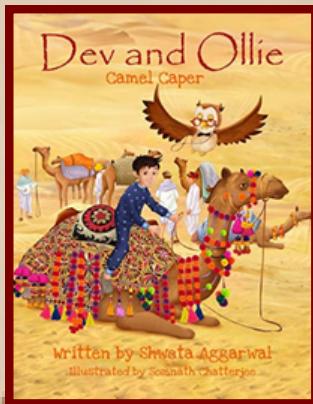
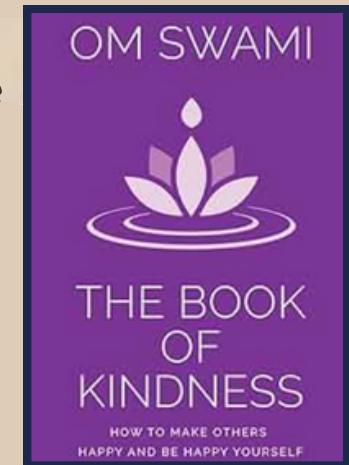
RALLIAN RECOMMENDS

Looking for your next great read? Check out these book recommendations and find your new favorite!



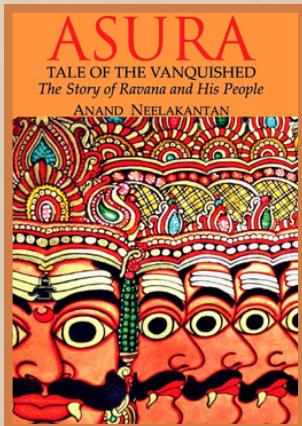
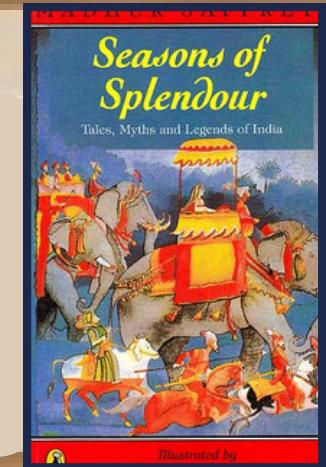
2026 must-reads...

Om Swami's The Book of Kindness is a gentle, reflective read that highlights the quiet power of compassion in everyday life. Through simple insights and real-life wisdom, the book reminds readers that kindness is not just an act, but a way of being.



Dev and Ollie: Camel Caper is a fun-filled adventure that blends mystery, friendship, and curiosity in a lively desert setting. With engaging characters and fast-paced storytelling, it keeps young readers hooked while gently encouraging problem-solving and teamwork.

Seasons of Splendour is a rich tapestry of Indian folklore that beautifully weaves myths, legends, and seasonal rhythms into timeless narratives. The book celebrates India's cultural depth, making ancient stories feel vivid, relevant, and deeply rooted in tradition.



Asura: Tale of the Vanquished offers a bold retelling of the Ramayana from the perspective of the so-called defeated. By humanising Ravana and the Asuras, the novel challenges traditional notions of good and evil, making readers rethink history, morality, and justice.

GRATITUDE

bingo

What are you thankful for? Cut and paste the images on the following page to create a bingo board with all the people, things, and places you are thankful for. Listen to the bingo caller as they call out the different pictures. Mark off the picture on your board with a dot marker, a sticker, or a bingo chip. If you get five in a row, you win the game!

“A community grows stronger when its members uplift each other.

“The threads of togetherness bind us through kindness, cooperation, and care.

“Festivals weave cultures, traditions, and people into a single thread of happiness.

Thank YOU



As we wrap up this festive edition, we extend heartfelt gratitude to everyone who made it shine.

To everyone who contributed—students, teachers, parents, alumni, and readers—your creativity, support, and enthusiasm have woven this edition into a true celebration of unity. Each story, artwork, and reflection adds colour to our shared canvas of togetherness.

Through your collective spirit, we celebrate not just festivals, but the deeper harmony, compassion, and connection that make them meaningful.

May the light of unity continue to glow in our hearts, reminding us that every festival is brighter when celebrated with kindness and care.

Until we meet again
in the next edition—keep celebrating, keep connecting!

Warm Regards
The Editorial Team